मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 53 अंक 12 | प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
दिसम्बर 2017 | बहाई वर्ष : 174

विश्व न्याय मन्दिर

निष्ठावानों के समुदाय द्वारा निभाए जाने वाले अनिवार्य दायित्व विश्व में व्याप्त भ्रांति, अविश्वास और अनिश्चितता के वातावरण में अब और अत्यावश्यक हो गए हैं। वास्तव में, मित्रों को चाहिए कि वे एक ऐसा प्रदीप जलाने के लिए हर अवसर का प्रयोग करें जो मार्ग को प्रकाशित कर सके और जिससे चिन्तातुर लोगों को आश्वासन, निराशजनों को आशा प्राप्त हो सके।

–रिज़वान 2017

बहाउल्लाह की द्विशताब्दी जयंती उत्सव की झलकियाँ

• चंडीगढ़ के रामदरबार समुदाय में बहाउल्लाह की द्विशताब्दी जयंती का उत्सव 5 नवम्बर 2017 को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह उत्सव एक ऐसे स्थानीय क्षेत्र में आयोजित किया गया था जहाँ अनेक मूल–गतिविधियाँ चल रही हैं। इस क्षेत्र के अभिभावक इस कार्यक्रम के समर्थन के लिए स्वयं आगे आये और उन्होंने स्थान की साफ–सफाई की उसे सजाया और जलपान की व्यवस्था भी की। इस कार्यक्रम में लगभग 300 प्रतिभागी शामिल हुए जिनमें बच्चे और अभिभावक भी शामिल थे।

बहाई कक्षाओं के बच्चे, किशोर, क्लस्टर संयोजक, क्षेत्रीय संयोजक और रामदरबार के बहाईयों ने द्विशताब्दी कार्यक्रम के लिए अथक प्रयास किये। बहाई कक्षा के बच्चे और किशोर भी सुबह से सेवा कार्यों में शामिल थे। बच्चों और किशोरों द्वारा गीत, नृत्य और लघु नाटिकाओं जैसे अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम का सारा व्यय रामदरबार समुदाय ने वहन किया।

श्री गब्रियल विल्सन ने बहाउल्लाह के जीवन, उनकी यातनाओं और शिक्षाओं के बारे में बताया। सहायक मण्डल सदस्य श्री सागर ने बहाउल्लाह के बारे में कहानियाँ सुनाई। ग्वालियर समुदाय द्वारा तैयार एक वृतचित्र भी उपस्थित सभी मित्रों को दिखाया गया।

• ग्वालियर में जन्मोत्सव की तैयारियां कोई दो महीने पहले से शुरू हो गई थीं। ग्वालियर के मुख्य मार्ग पर बैनर लगाया गया, जिससे उस राह से गुजरने वाले हर व्यक्ति को जानकारी मिल सकी कि बहाई समुदाय द्वारा ईश्वरीय अवतार बहाउल्लाह की द्विशताब्दी जयंती मनाई जा रही है। इसका सुफल यह मिला कि बैनर से सूचना प्राप्त कर अच्छी संख्या में लोगों ने बहाई वेबसाइट पर विस्तार से सूचनायें खोजीं, जानकारी पाई और अधिक जानकारी पाने की उत्सुकता दिखलाई, फोन किये, मिलने आये, बहाई साहित्य ले गये और कार्यक्रम के लिये आमंत्रित किये गये।

ग्वालियर में जन्मोत्सव दो स्थानों पर मनाये गये। 20 अक्टूबर को बहाई भवन में और 22 अक्टूबर को होटल सेंट्रल पार्क में। होटल सेंट्रल पार्क के कार्यक्रम में बहाई विश्व केन्द्र द्वारा तैयार किया गया वृत्तचित्र "विश्व के पथप्रदर्शक" (लाइट टू द वर्ल्ड) आमंत्रित अतिथियों ने देखा और बहाईयों द्वारा दुनिया भर में किये जा रहे कामों की सराहना करते वे नहीं थके। दर्शकों में कुछ लोग इतने प्रभावित हुये कि बहाउल्लाह को दी गई यातनाओं की चर्चा करते–सुनते उनकी आँखें भर आईं।

दोनों स्थानों पर आयोजित

शेष पृष्ठ 2 पर



रामदरबार समुदाय में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

इस अंक में

भारत के माननीय प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के सदस्यों की भेंट



राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के दो सदस्यों–श्रीमती ज़ीना सोराबजी और सुश्री नाज़नीन रौहानी ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से 24 अक्टूबर 2017 को भेंट की। भेंटवार्ता के दौरान भारतीय बहाई समुदाय की ओर से उन्हें शुभकामनायें दी गईं और बहाई समुदाय को उनके द्वारा बहाउल्लाह की द्विशताब्दी जयंती के अवसर पर दिये गये शुभ संदेश के लिए धन्यवाद व्यक्त किया गया। बहाई समुदाय द्वारा भारत में चलाई जा रहीं गतिविधियों के बारे में भी उन्हें जानकारी दी गई। माननीय प्रधानमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री बनने से पहले वे कई बार बहाई उपासना मन्दिर का भ्रमण कर चुके हैं और वहां जाकर उन्हें मानसिक शांति प्राप्त हुई।

त्रिपुरा में बांग्ला जोन बहाई कक्षाओं के सेमिनार का आयोजन

त्रिपुरा में बांग्ला जोन बहाई बच्चों की कक्षाओं के सेमिनार का आयोजन 31 अक्टूबर से 6 नवम्बर 2017 तक किया गया। अगरतला लर्निंग साइड के साथ 9 संबद्ध क्लस्टर–अगरतला, उदयपुर, धर्मनगर, जोयपुर, इंदपुर, मानबाज़ार–1, मेताली, खगराचारी और स्वरूपकाठी हैं। खगराचारी और स्वरूपकाठी क्लस्टर को छोड़कर सभी क्लस्टर ने इस सेमिनार में अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। इस सेमिनार में कुल 29 मित्रगण शामिल हुए। इनमें 6 सहायक मंडल सदस्य, पश्चिम बंगाल परिषद के सचिव और प्रशिक्षण संस्थान के सचिव, त्रिपुरा प्रशिक्षण संस्थान के सचिव, बांग्ला जोन टीम के सभी सदस्य, 6 उप–क्षेत्रीय बच्चों की बहाई कक्षा के संयोजक, क्लस्टर संयोजक और

शेष पृष्ठ 4 पर



बांग्ला जोन सेमिनार के प्रतिभागी

कार्यक्रम में दो कारणों ने खुशनुमा माहौल बना दिया – बहाईयों के साथ मिलकर ग़ैरबहाई मित्रों की प्रस्तुतियाँ और स्थानीय युवा द्वारा सुंदर ढंग से कार्यक्रम का संचालन। सांस्कृतिक कार्यक्रम अधिकांशतः अनुप्रेरकों और बाल नैतिक कक्षा तथा किशोर दल के सहयोगियों द्वारा प्रस्तुत किये गये। 20 अक्टूबर के कार्यक्रम में प्रीत आहूजा द्वारा बाब की समाधि की प्रतिकृति आकर्षण का केन्द्र बनी और 22 अक्टूबर के कार्यक्रम के लिये की गई सजावट की सराहना सभी आगन्तुकों ने की। यह सजावट शिल्पा गुप्ता की देखरेख में की गई। दोनों महिलायें लास एंजिल्स हाईस्कूल से जुड़ी हैं और अभी तक दोनों ने बहाई धर्म को स्वीकार नहीं किया है, फिर भी उनका उत्साह देखते बनता है।



ग्वालियर में आयोजित कार्यक्रम में ईश्वर की एकता दर्शाते हुए

इन दो उत्सवों के बाद ग्वालियर का बहाई समुदाय यह महसूस करने लगा है कि लोगों के दिलों तक बहाउल्लाह का संदेश पहुँचा है और परिवर्तन की आहट सुनाई पड़ने लगी है। बहाई समुदाय के बीच भी आध्यात्मिक ऊर्जा साफ़ नज़र आती है, एक–एक बहाई उत्साह से भर उठा है और सेवा के पथ पर साथ–साथ चलने को कमर कस चुका है। अब तो एक बात स्पष्ट है कि हम रूक नहीं सकते, गंवाने के लिये हमारे पास समय नहीं है। हम प्रगति की राह पर चलेंगे, ऐसा विश्वास जगा है। परिवर्तन लायेंगे, ऐसा उत्साह आया है।



दिल्ली बहाई भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रार्थनायें करते हुए

• विश्व न्याय मंदिर से प्राप्त दिशानिर्देश के अनुसार नई दिल्ली स्थित बहाई भवन, पड़ोस के बहाई समुदाय और पश्चिमी दिल्ली के मित्रों ने बहाउल्लाह के जन्म की द्विशताब्दी जयंती मनाने का निश्चय किया। उद्देश्य मात्र इतना था कि अच्छी संख्या में लोगों को आमंत्रित किया जाये और नज़दीक से उन्हें जाना–समझा जाये, ताकि भविष्य में वे सेवा के पथ पर चलने के लिये प्रोत्साहित हो सकें।

सोचा तो ये गया था कि केवल दो सौ लोगों को कार्यक्रम के लिये आमंत्रित किया जायेगा ताकि आर्थिक बोझ कुछ मित्रों के सहयोग से उठाया जा सके और आध्यात्मिक सभा के कोष से कोई भी आर्थिक सहायता न ली जाये, लेकिन दो सौ से अधिक लोग अपने परिवारों के साथ आये और उल्लास से भरे माहौल में शामिल हुये।

कार्यक्रम के लिये आमंत्रित करने का सिलसिला अगस्त से ही शुरू हो चुका था और धीरे–धीरे उत्साह बढ़ता गया। तैयारियाँ की गईं, मिनट–मिनट का कार्यक्रम तय किया गया, अलग–अलग कामों के लिये कार्यबल गठित किये गये और जन्मोत्सव के हर पहलू पर ध्यान से परामर्श करते हुये कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई।

नई दिल्ली के बहाई भवन को सजाया गया। शाम 6 बजे से ही मेहमान आने शुरू हो गये। धीरे–धीरे माहौल बनता गया और जैसे ही कार्यक्रम प्रार्थनाओं से शुरू हुआ, पूरा वातावरण आध्यात्मिक सुरभि से महक उठा। "ईश्वर मेरे लिये सर्वोपरि परिपूरक है" – इस प्रार्थना को चार भाषाओं में प्रस्तुत किया गया। उस पावन दिवस पर लघु वक्तव्य प्रस्तुत किया गया, नृत्य हुये, बच्चों ने गीत गाये। 90 मिनट की प्रस्तुतियों के बाद एक बड़ा केक काटा गया और 200 साल पूर्व बहाउल्लाह के जन्म लेने की खुशियां मनाई गईं।

अन्त में आमंत्रित अतिथियों के साथ रात्रिभोज में सभी शामिल हुये।

• जयपुर और जोधपुर समुदायसमूह में भी बहाउल्लाह का द्विशताब्दी जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जयपुर में जन्मोत्सव का आयोजन 21 अक्टूबर 2017 को प्रताप नगर स्थित जानकी देवी पब्लिक स्कूल में किया गया और द्विशताब्दी जन्मोत्सव के लिए बहाई गतिविधियों में भाग ले रहे बच्चों, किशोरों, युवाओं और उनके माता–पिता, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और अन्य मित्रों को भी इस जन्मोत्सव के लिए आमंत्रित किया गया और इस कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री जसबीर सिंह को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपने सम्बोधन में उन्होंने बहाउल्लाह के द्विशताब्दी जन्मोत्सव के लिए पूरे बहाई समुदाय को अपनी शुभकामनायें दीं और ईश्वरीय अवतार बहाउल्लाह की महानता के बारे बताया और साथ ही उन्होंने बहाई मित्रों द्वारा समाज को बेहतर बनाने के प्रयासों की भी सरहाना की। श्रीमती सहार अनवारी द्वारा बहाउल्लाह के जीवन के बारे में बताया गया। मित्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं जिनमें भक्तिमय नृत्य, परम्परागत नृत्य और नाटक शामिल थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी मित्रों ने बहाई गीत को लेकर एक प्रस्तुति दी जिसमें सभी मित्र एक साथ आते हैं और बैनरों पर मुद्रित बहाई शिक्षाओं को लोगों के सामने प्रस्तुत करते हैं और बताते है कि "पृथ्वी एक देश है और मानवजाति इसके नागरिक हैं" कार्यक्रम के अंत में स्थानीय आध्यात्मिक सभा जयपुर के अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम की सफलता में योगदान के लिए सभी मित्रों को धन्यवाद देकर अपना आभार प्रकट किया। जयपुर में मनाये गए द्विशताब्दी जन्मोत्सव में लगभग दो हजार लोगों ने भाग लिया और कार्यक्रम की सराहना की। कुछ मित्र कार्यक्रम की गरिमा को देखकर और स्वयंसेवकों के व्यवहार और उनके आचरण से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने बहाई मित्रों से मुलाकात के दौरान बताया कि बहाई लोगों की कथनी और करनी में अंतर नहीं होता और वे जो हैं वही दिखाते हैं। इस तरह उन लोगों का हृदय बहाउल्लाह की शिक्षाओं के प्रति आकर्षित हुआ और उन्होंने बहाउल्लाह को इस युग के ईश्वरीय अवतार के रूप में स्वीकार किया।


जयपुर के कार्यक्रम में बैनरों के माध्यम से बहाई शिक्षाओं की प्रस्तुति

जोधपुर समुदायसमूह में बहाउल्लाह के द्विशताब्दी जन्मोत्सव का आयोजन 23 अक्टूबर को विजय मैरिज पैलेस, राम नगर में किया गया। इस कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में जोधपुर के महापौर श्री घनश्याम ओझा को व धर्माधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया। जन्मोत्सव का आरम्भ प्रार्थनाओं के साथ किया गया और बच्चों, किशोरों और अन्य बहाई मित्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं जिनमें भक्तिमय नृत्य, परम्परागत नृत्य और बहाई गीत शामिल थे।



जोधपुर में आयोजित कार्यक्रम में बालिकायें नृत्य प्रस्तुत करते हुए

इन प्रस्तुतियों के माध्यम से बहाउल्लाह की शिक्षाओं से लोगो को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में आये लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की और बहाई गतिविधियों के बारे में जानने की अपनी इच्छा व्यक्त की। बहाई शिक्षाओं से प्रभावित एक मित्र ने बहाउल्लाह को ईश्वरीय अवतार के रूप में स्वीकार भी किया।

कार्यक्रम के अंत में बहाउल्लाह के द्विशताब्दी जन्मोत्सव पर मुख्य अतिथि व अन्य विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किया गया और स्थानीय आध्यात्मिक सभा जोधपुर के अध्यक्ष श्री संजय शर्मा द्वारा कार्यक्रम की सफलता में योगदान के लिए सभी मित्रों को धन्यवाद देकर अपना आभार प्रकट किया।

वर्ष 2017–18 के लिए राज्य/क्षेत्रीय बहाई परिषदों के सदस्यगण

क्षेत्रीय बहाई परिषद आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना

1. सरूस फनियान
2. वासंथी गोपीनाथ
3. देवी कुमार
4. लक्ष्मीकांत
5. अजय नायडू
6. तुलासी राजशेखर
7. ई. वैंकट रंगईया
8. साविर्थी रेड्डी
9. बाल सिंह

क्षेत्रीय बहाई परिषद असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड

1. जीबन बासुमैत्री
2. अनंदा ब्रह्मा
3. दिलीप दास
4. विक्की घोष
5. जयंता कालिता
6. सामू केरकेता
7. शारदा नायक
8. श्याबा नगंगोन
9. गुंजा सिंह

राज्य बहाई परिषद बिहार

1. दीपेन्द्र चन्दन
2. ओम प्रकाश चौधरी
3. रीना दानेश
4. राकेश कुमार
5. रंजन कुमार
6. शिव शंकर कुमार
7. उषा कुमारी
8. शम्भु शरण साहनी
9. ओम नमः शिवाय

राज्य बहाई परिषद छत्तीसगढ़

1. सुनिर्मल महातो
2. संगीता पोया
3. कमल रावल
4. पूजा साहू
5. संतोष शर्मा

राज्य बहाई परिषद गुजरात

1. ज्योति अहीरे
2. राजेश अहीरे
3. वसंत बागुल
4. धर्मेश भीमसेन
5. जयेश भोये
6. प्रशांत चिनूभाई
7. विजय गावित
8. निशा पुनावाला
9. अनीस सैफुद्दीन

राज्य बहाई परिषद झारखण्ड

1. आरती (जमशेदपुर)
2. श्वेता फ्रांसिस
3. रतन महातो
4. संदीप शर्मा
5. वृंदावन सिंह

राज्य बहाई परिषद कर्नाटक

1. सतीश कुमार एचबी
2. मांचे गौड़ा
3. रवि किरन
4. योगेश लोंधे
5. कैप्टन मल्लिकार्जुन
6. नागाश्री
7. पार्वती
8. दिनेश राव
9. गणेश शिनॉय

राज्य बहाई परिषद केरल

1. एडवोकेट वी. जी. बिजू
2. बिनारा घनबरी
3. अयप्पन कुट्टी
4. ज्योथी प्रभाकरण
5. वी. रामाकृष्णन
6. के. शर्मिला
7. सी0 टी0 टोमी
8. एम. उनीज़
9. सी. पी. विनोद

राज्य बहाई परिषद मध्यप्रदेश

1. ज़रीन आफताबी
2. अराश फज़ली
3. प्रकाश कौशल
4. अलका कुमार
5. किशन मन्नाडे
6. धर्मवीर नरवारिया
7. समीर ओल्याई
8. के. जी. ओमना
9. रोशन लाल पटेल

क्षेत्रीय बहाई परिषद महाराष्ट्र एवं गोवा

1. कार्मल आलम
2. आकाश चक्रबर्ती
3. मार्ज़िया दलाल
4. संदीप गौरे
5. सदाशिव कमलापुरे
6. सिना मोतल्लबी
7. मनोज पथारे
8. सविता शिखरे
9. सुमित सिंह

क्षेत्रीय बहाई परिषद मणिपुर एवं मिजोरम

1. लाल बिहारी
2. एल. बिलाशिनी
3. बिनोय बुशोन
4. हरिबती देवी
5. इनाओ देवी
6. सलाम इबोम्चा
7. गलादिश पर्पा
8. के. सनाटुम्बी
9. थोईथोईसाना

राज्य बहाई परिषद उड़ीसा

1. अनीता बेहरा
2. घनबिहारी धनसेना
3. तरंग दास
4. गोमती दिला
5. मिताली मलिक
6. बबलू मिश्रा
7. गदाधर मोहंती
8. रियाज़ मोतल्लबी
9. सुशांत नायक

क्षेत्रीय बहाई परिषद पंजाब, हरियाणा हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू कश्मीर

1. पुतुल अध्या
2. अमित चंदन
3. विकास छेत्री
4. बबीता नन्दकिशोर
5. जोधाराम रेक्ता
6. अनिल सारवाल
7. शुभम
8. आरती थापा
9. होमा ज़मानी

राज्य बहाई परिषद राजस्थान

1. मुकेश आनन्द
2. अर्पणा अनंत
3. सहार अनवरी
4. अमर बेगद
5. अरशद हुसैन
6. हरमीत सिंह कोहली
7. संजय शर्मा

क्षेत्रीय बहाई परिषद सिक्किम एवं दार्जिलिंग

1. हेस्सम ईसा
2. सरोज लामा
3. करिश्मा नायर
4. बलराम प्रधान
5. रूपा प्रधान
6. विनोद पोखरेल
7. कैलाश शर्मा
8. ललित थापा
9. संजय थापा

क्षेत्रीय बहाई परिषद तमिलनाडु एवं पुडुचेरी

1. मार्था अख़्तरखावेरी
2. भरथ अरुमुगम
3. रमेश कंनन
4. मल्लिगा कार्मेगम
5. कमलासेखरन पांडयन
6. कवियारासु पांडयन
7. टी. सुब्रामणियन
8. वैंकेटेशन (पुडुचेरी)
9. एम. युवराज

राज्य बहाई परिषद त्रिपुरा

1. रूपक बिश्वास
2. सोमा चंदा
3. बप्पी देबनाथ
4. प्रबीर देबनाथ
5. बिभूति रंजन कर्माकर
6. उत्तम मित्रा
7. दीपा नियोगी
8. केशब रॉय
9. बिश्वजीत सिन्हा

क्षेत्रीय बहाई परिषद उत्तर प्रदेश, दिल्ली एवं उत्तराखण्ड

1. नदीम अमीर
2. अमित कुमार
3. राजीव कुमार
4. प्रमोद मोर्या
5. एहलाम मोहाजर
6. मयूरी मोहाजर
7. प्रिंस (गोविंदपुरी)
8. हेमलता सिंह
9. प्रेम सिंह

राज्य बहाई परिषद पश्चिम बंगाल

1. नाज़िया आलम
2. सैयद अली
3. प्रदीप भट्टाचार्य
4. बिद्युत कुम्भाकर
5. बादल चन्द्र महातो
6. बेला महातो
7. कमलकांत महातो
8. मोनीशंकर मैती
9. सुनील ओराओन

• • • • • • • • •

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 — **Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2015-16-17**
New Delhi P.S.O. — **Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2015-16-17**

राष्ट्रीय कार्यालय में सेवा का अवसर

उन मित्रों के आवेदन लिये जा रहे हैं जो राष्ट्रीय बहाई कार्यालय में अपनी सेवायें प्रदान करना चाहते हैं और निम्नलिखित स्थान को भरने के लिए संबद्ध योग्यता और अनुभव रखते हैं :

नियंत्रक (कंट्रोलर)/सहायक नियंत्रक

दायित्व

- राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, परिषदों सहित, कार्यालयों और एजेंसियों की बजट प्रक्रिया को देखना
- राष्ट्रीय सभा के सभी कार्यालयों, विभागों और एजेंसियों के साथ–साथ परिषदों के बजट की नियमित रूप से निगरानी करना।
- जब अनुरोध किया जाए तब राष्ट्रीय सभा के विभिन्न मामलों के लिए सलाहकार के रूप में कार्य करना और सलाह प्रदान करना
- आंतरिक और बाहरी लेखा परीक्षण प्रक्रिया की देखरेख करना
- वित्त मामलों में कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करना
- वित्तीय प्रतिबद्धताओं की समीक्षा करना

आवश्यकता योग्यता

- व्यक्ति को स्नातक होना चाहिए और लेखा (अकाउटिंग) का ज्ञान होना चाहिए
- व्यक्ति अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं में संवाद करने में समक्ष होना चाहिए
- व्यक्ति को कम्प्यूटर की बुनियादी जानकारी होनी चाहिए और टैली सॉफ्टवेयर का भी ज्ञान होना चाहिए
- व्यक्ति हमेशा सीखने को तत्पर होना चाहिए
- व्यक्ति को इस क्षेत्र में कार्य का पहले से अनुभव है तो यह बहुत अच्छा होगा

इच्छुक व्यक्ति कार्मिक विभाग को personnel@ibnc.in पर लिखें और उसकी एक प्रति nsaindia@ibnc.in पर भी भेजें।

त्रिपुरा में बांग्ला जोन बहाई कक्षाओं के सेमिनार का आयोजन

पृष्ठ 1 का शेष

शिक्षक एवं अगरतला लर्निंग साइट के रिसोर्स पर्सन भी इसमें शामिल हुए। इस अवसर पर सलाहकार श्री दृगपाल सिंह भी उपस्थित रहे और उन्होंने मित्रों का मार्गदर्शन किया।

यह पहली बार है कि बांग्ला क्षेत्र के मित्रों ने खुले तौर पर अपनी मातृभाषा में पूर्ण मन से परामर्श किया और इन 7 दिनों के दौरान एक साथ सीखा। मित्रों ने अपने अनेक अनुभव, कहानियाँ, चुनौतियों और अवसरों को साझा किया और संबंधित सामग्री तथा विश्व न्याय मन्दिर और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण केन्द्र के संदेशों का भी अध्ययन किया।

सेमिनार के दौरान एक दिन सभी प्रतिभागियों ने बच्चों के अभिभावकों की बैठक का, एक अन्य दिन बच्चों की कक्षा तथा शिक्षक बैठकों का भ्रमण किया और अंत में वे नये बहाई भवन गये। प्रत्येक शाम को प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनन्द उठाया।

बच्चों की बहाई कक्षा के सुदृढ़ीकरण पर सहार में सेमिनार का आयोजन

उत्तर प्रदेश के सहार में बहाई भवन के प्रांगण में बच्चों की बहाई कक्षा कार्यक्रम को व्यवस्थित करने हेतु रूही पुस्तक तीन के ग्रेड तीन के सेमिनार का आयोजन 2 से 7 नवम्बर 2017 किया गया। इस सेमिनार में 15 समुदायसमूहों से लगभग 50 मित्रों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य बहाई बाल नैतिक कक्षाओं के कार्यक्रम को ग्रेड दर ग्रेड व्यवस्थित करना तथा आयुवर्ग के अनुसार बाँटना और दिनों में सलाहकार महोदय ने बच्चों की कक्षाओं के कार्यक्रम की गुणवत्ता में तथा बच्चों के भौतिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु अतिरिक्त कक्षाओं के बनाये जाने का सुझाव दिया। श्री प्रेम सिंह जी ने जो क्षेत्रीय बहाई परिषद के सदस्य हैं उन्होंने बच्चों की कक्षा के कार्यक्रम को और अच्छे ढंग से व्यवस्थित करने हेतु अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

इस सेमिनार के पहले दो दिन



सहार बहाई भवन में आयोजित सेमिनार के प्रतिभागी

युवा बहाईयों एवं क्लस्टर संयोजकों द्वारा शिक्षकों के साथ–साथ चलने तथा अपने समुदायसमूहों में शिक्षकों के दल बनाने में एवं शिक्षकों को साथ–साथ चलने में सहयोग प्रदान करना था। साथ ही बच्चों के घरों में भक्तिपरक बैठकों के आयोजन में मदद कर सकें।

इस कार्यक्रम के अंतिम दो

विश्व न्याय मंदिर के प्रपत्रों का अध्ययन किया गया और साथ ही, क्लस्टरों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा भी की गई। शेष दिनों में रूही पुस्तक तीन की तीसरी ग्रेड का सहज अध्ययन एवं समीक्षा प्रतिदिन की गई, जिससे प्रतिभागियों को एक नई ऊर्जा एवं स्पष्ट अंतर्दृष्टि प्राप्त हुईं।

निवेदन

मित्रों,

अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें अपने बहाई समाचारपत्र/बहाई न्यूज में प्रकाशित कर सकें।

धन्यवाद !

कुल पृष्ठ संख्या–4 — बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2015-16-17
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.12. 2017
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)